श्री राजेन्द्र अग्रवाल (मेरठ): महोदया, मैं आपके माध्यम से पर्यावरण मंत्रालय का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि सदन ने बराबर पेयजल की संबंध में चिन्ता व्यक्त की है, किन्तु मेरठ तथा हापुड़ के आस-पास के क्षेत्रों में चल रहे अवैध कमेले चलते हैं जो अपना अवशिष्ट, रक्त इत्यादि बोर करके जमीन के पानी में मिला रहे हैं। उनके यहां ईटीबी प्लांट है नहीं। इसी प्रकार से कुछ कारखाने हैं, जो ईटीबी प्लांट होने के बाद भी उनका उपयोग नहीं करते हैं, जब कोई चेकिंग के लिए आता है तो केवल दिखावे के लिए कर देते हैं। इसका परिणाम यह हो रहा है कि भूगर्भ जल, जो पेयजल का अंतिम स्रोत है, प्रदूषित होता जा रहा है। यह इसलिए भी चिंता की बात है कि अगर इस प्रकार से जल प्रदूषित होता है तो यह इररिवर्सिबल है। इस संबंध में मैंने पिछली बार भी सदन का ध्यान आकृष्ट किया था। मैं यह निवेदन करना चाहता हूं कि इस संबंध में सरकार कार्यवाही करे, ताकि इस जल को प्रदूषित होने से बचाया जा सके और वहां पेयजल की समस्या उत्पन्न न हो।